नाज़ न्यूज़

खंड 1, अंक 1

नाज़ रेस्ट होम के प्रिय मित्रों,

नाज़ रेस्ट होम की वेबसाइट तैयार किए जाने की घोषणा करते हुए हमें बहुत ही उत्साह और गौरव का अनुभव हो रहा है। यह निर्माणाधीन वेबसाइट हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में है जिसे आप nazzresthome.com पर देख सकते हैं।

वेबसाइट के नौ पृष्ठों में से एक पृष्ठ नाज़ की गतिविधियों से जुड़े समाचारों से सम्बंधित है, और यह न्यूज़लेटर इसलिए तैयार किया गया है कि यह नाज़ रेस्ट होम और बाहरी दुनिया के बीच एक कड़ी बनकर उस लक्ष्य को हासिल कर सके। जैसा कि आपको पता होगा, पूरी दुनिया से अनेक सौहार्दपूर्ण मित्रों ने हमारे प्रिय वरिष्ठ जनों के लिए एक आश्रय-स्थल के स्वप्न को साकार करने के लिए किए गए इन प्रयासों का अनुसरण किया है।

निर्माण सम्बंधी समाचार

हमें इस बात की खुशी है कि नाज़ रेस्ट होम के निर्माण का पहला चरण लगभग पूरा हो गया है और इस संरचना में दो मजबूत बेडरूम तैयार हो चुके हैं; अब दरवाजे और खिड़कियां लगाए जाने का इंतज़ार है, और भवन की दीवारों पर सीमेंट की परत चढ़ाई जाएगी, फिर खिड़कियों और दरवाजों को आसमानी नीले रंग तथा दीवारों को सफेद रंग से पेंट किया जाएगा।

साथ ही, सिंचाई प्रणाली के जरिये पेड़ों को पानी दिया जा रहा है और वे तेजी से बढ़ रहे हैं।

जिन लोगों को नाज़ रेस्ट होम के निर्माण के दो चरणों का विवरण पता नहीं है, उनके लिए इसकी प्रमुख बातों की झलक नीचे दी जा रही है।

पहला चरण

इस चरण में जो कार्य किए जाने हैं उनमें निम्नांकित शामिल हैं:

लगभग 7 एकड़ (7 बीघा) जमीन खरीदा जाना (काम पूरा)

बाड़ लगाना और उसे मजबूत करना (काम पूरा)

सैकड़ों पेड़ लगाया जाना (400 से अधिक पेड़ लगाए गए)

कुएं की खुदाई और पानी का पम्प लगाना (काम पूरा)

भूमि तक जाने वाली सड़क को बेहतर बनाना (आंशिक रूप से पूरा)

और अंत में, रहने, बैठकों के आयोजन और अन्य गतिविधियों के लिए किचेन और बाथरूम के साथ दो बेडरूम वाले आवास का निर्माण (काम पूरा)

उसके बाद हम परियोजना के सभी पहलुओं पर शोध करने में समय बिताएंगे। इस दौरान, पेड़ बढ़ चुके होंगे और बेहतर परिदृश्य विकसित हो जाएगा।

दूसरा चरण

स्थिति को जटिल बना सकने वाले कई कारकों पर निर्भर होते हुए, हमें आशा है कि रहने वालों के लिए करीब 25 कमरे होंगे (और अंततः 100 कमरे तक) तथा अन्य सुविधाएं जैसे कि रसोईघर, भोजन कक्ष, मनोरंजन कक्ष, फीजियो रूम, भंडार घर, इत्यादि।

वयोवृद्ध लोगों की सुरक्षा और समुदाय में उन्हें समेकित करने सम्बंधी सेवा के संचालन के लिए हमें कई पहलुओं पर शोध करने की आवश्यकता है। हमें टिकाऊपन (सस्टेनिबिलिटी) के रास्ते पर चलना होगा, जैसे कि सौर पैनल, फिल्ट्रेशन प्रणाली, मलजल निकास (सीवेज) सिस्टम, बिजली और पानी की आपूर्ति। साथ ही, हमें मानव संसाधनों पर भी विचार करना होगा, जैसे कि डॉक्टर, फीजियोथेरेपिस्ट और अन्य सम्बंधित सेवाएं।

हमें गांव के लोगों और स्थानीय स्कूल के साथ मजबूत सम्बंध बनाने की जरूरत है। पेड़ों से तोड़े गए फल गांव के लिए हैं। सभी लोग इस परियोजना में भागीदार हैं।

हम उत्साहित और रोमांचित हैं और प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर हमें आने वाली चुनौतियों से पार पाने में राह दिखाए।

फिलहाल, हमने बिजली पाने के लिए सीमित निवास हेतु एक कमरा तैयार किया है जिसमें थोड़ी जगह है, और हम इसका उपयोग रहने, बागवानी करने और सामाजिक गतिविधियों के लिए कर सकते हैं।

हमें कई नियमों और विनियमों के बारे में अधिकारियों से बात करनी होगी और नौकरशाही की प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। इन चुनौतियों से निबटने में थोड़ा समय लग सकता है, और हमें उम्मीद है कि तब तक फलों के पेड़ पक चुके होंगे और परिदृश्य सुंदर हो गया होगा।

हमें इस स्थान को टिकाऊ तरीके से संचालित करने, पर्यावरण की रक्षा करने तथा चबराना गांव, जहां नाज़ रेस्ट होम स्थित है, को बेहतर बनाने के तौर-तरीके तलाशने के लिए वित्तीय पक्ष पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा।

बहुत सी चीजों में बदलाव हो सकता है, और कभी-कभी हम घबड़ा जाते हैं, लेकिन फिर हम याद करते हैं कि परमात्मा ने कैसे हमारे लिए सभी बंद दरवाजों को खोला था।

यहां उन लक्ष्यों या सपनों की सूची दी गई है जिन्हें हम अपने उन हितधारकों और साझेदारों की सहायता से प्राप्त करने की आशा करते हैं जिन्हें ईश्वरीय सहायता की अत्यंत आवश्यकता होगी:

आशाएं और सपने

- योग्य उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया तैयार करना
- समुदाय में विभिन्न पीढ़ियों के साथ एकीकरण की प्रक्रियाओं की संकल्पना
- नाज़ रेस्ट होम और समुदाय में मनोरंजन कार्यक्रमों की योजना बनाना और उन्हें क्रियान्वित करना
- पोषण और स्वास्थ्य देखभाल के अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों से परामर्श
- एकीकरण प्रक्रिया (संभवतः पर्यटन) का हिस्सा बनने के लिए आगंतुकों को आकर्षित करने हेतु नाज़ रेस्ट होम गार्डन का सौंदर्यीकरण
- सुरक्षा, निगरानी और टिकाऊपन के लिए अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी (बगीचों के लिए अपशिष्ट जल का फिल्ट्रेशन, सौर पैनल, पानी बचाने के तरीके, आदि)

- वित्तीय कार्यप्रणाली और टिकाऊपन के लिए बजट और योजनाएं
- निवासियों और कर्मचारियों के लिए परिवहन की व्यवस्था
- संचार के साधनों का निर्माण और जनसंचार माध्यमों (मास मीडिया) का उपयोग
- उपचार की विभिन्न विधियों का उपयोग, जैसे पारंपरिक, आधुनिक और वैकल्पिक चिकित्सा
- औषधीय पौधों का उद्यान विकसित करना
- निवासियों के लिए आध्यात्मिकता का माहौल बनाने पर जोर देना
- निवासियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यक्तिगत योजना और लोचशीलता
- भारत और विदेश से ऐसे पेशेवरों और विशेषज्ञों को अतिथि के रूप में आमंत्रित करना जो स्वयंसेवक के रूप में सेवाएं दे सकें
- नाज़ रेस्ट होम में काम करने के लिए स्थानीय लोगों का शिक्षण-प्रशिक्षण
- स्थानीय प्राधिकारियों और सरकारी विभागों के साथ अच्छा सम्बंध बनाए रखना
- स्थानीय लोगों द्वारा स्वामित्व के लक्ष्य को ध्यान में रख कर सशक्तिकरण कार्यक्रमों के माध्यम से गांव में जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में योगदान देना
- जनसंचार माध्यमों की सहायता से बाहरी दुनिया को चबराना गांव की सुन्दरता और सरल जीवन से परिचित कराना
- नाज़ रेस्ट होम में उगाए गए फलों और सब्जियों को धर्मार्थ संस्थाओं, स्थानीय स्कूल और गांव के निवासियों में वितरित करने की योजना बनाना।
- बगीचों और भवनों के रखरखाव और विकास के कार्य में स्थानीय लोगों को सहभागी बनाना।
- निवासियों और आगंतुकों के लिए एक टिकाऊ और आरामदायक भवन की रूपरेखा की अत्याधुनिक योजना तैयार करने के लिए वास्तुकारों से परामर्श करना
- नाज़ रेस्ट होम को बच्चों की कक्षाओं, किशोर समूहों, सम्मेलनों और ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आयोजित करने के लिए एक आदर्श स्थान बनाने का प्रयास करना।
- नाज़ रेस्ट होम के संचालन की दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए दान और योगदान हेतु एक न्यास निधि (ट्रस्ट फंड) बनाने की संभावना तलाशना
- समुचित वित्तीय लेखांकन (एकाउंटिंग) की पद्धतियां तैयार करना तथा बिलों, प्राप्तियों और वेतन इत्यादि के भुगतान की जांच
- प्रभुधर्म के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए मार्गदर्शन और आध्यात्मिक सहायता प्राप्त करने के लिए प्रभुधर्म की सभी संस्थाओं से परामर्श करना
- विदेश से आने वाले उन आगंतुकों के लिए कुछ कमरे अलग से सुरक्षित रखना जिन्होंने यहां आकर स्वयंसेवा करने तथा सीमित समय तक रहने, अपनी सेवाएं देने तथा ठहरने का खर्च वहन करने की इच्छा व्यक्त की है।

ईश्वर इस स्वप्न को साकार करने में हमारी सहायता करें।